

पढाई और रोज़गार करने वाले दवियांगों को मल्लिगी बैटरी से चलने वाली ट्राईसाइकलि

चर्चा में क्यों?

21 जून, 2022 को मुख्यमंत्नी नीतीश कुडार की अधुयक्षता में हुई राज्य कैबनलट की बैठक में पढाई और रोज़गार करने वाले दवियांगों को बैटरी से चलने वाली ट्राईसाइकलि देने का फैसला लया गया है ।

प्रमुख बडु

- कैबनलट ने सीएम दवियांगजन सशकतीकरण छात्र योजना के तहत संचाललत संबल योजना के अंतर्गत यह मंजूरी दी है ।
- बहलर सरकार मौजूदा वतलत वर्ष में राज्य भर में दवियांगों को 10 हज़ार बैटरीचाललत ट्राईसाइकलि का वतलरण करेगी । ये ट्राईसाइकलि 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर दवियांगों को बाँटी जाएंगी ।
- दवियांगों को बैटरी ट्राईसाइकलि के लयल पहले ऑनलाइन आवेदन करना होगा । इसके बाद डीएम की अधुयक्षता में गठलत कमलटी योग्य लाभार्थयल का चयन करेगी । इस योजना के लयल 42 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है ।
- अपर मुख्य सचवल डॉ. एस. सडिधार्थ ने कहा कल गुरेजुएशन और इसके ऊपर की पढाई कर रहे दवियांग वडियार्थयल को इस योजना का लाभ मल्लिगा । वडियार्थी अपने घर या हॉस्टल से लंबी दूरी तय करके बैटरीचाललत ट्राईसाइकलि के ज़रयल आसानी से कॉलेज-यूनवलर्सलटी जा सकेंगे ।
- इसके साथ ही बहलर में ही रहकर रोज़गार से जुड़े दवियांगों को भी इस योजना में शामिल कयल गया है, ताकल वे बैटरी ट्राईसाइकलि का इस्तेमाल करके अपने परवलर का पेट पाल सकें ।
- इस योजना के तहत लाभार्थी का बहलर का नवलसी होना ज़रूरी है । शरत यह है कल वह राज्य में ही रहकर पढाई या रोज़गार कर रहा हो । लाभार्थी के परवलर की सालाना आय 2 लाख रुपए से ज़यादा नहीं होनी चाहयल । 17 साल या उससे ऊपर के 60 फीसदी दवियांगों को इसका लाभ मल्लिगा ।